सच्चाई के दम पर
जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com

swarajindianews swarajindianews

दैनिक सांध्यकालीन

स्वराज इंडिया

कानपुर, शुक्रवार, 11 अप्रैल, 2025
वर्षः 02, अंकः 105, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

इनसाइड केडीए अफसरों की सरपरस्ती से दीपू चौहान फूड कोर्ट का... » Pg04

कन्हैया कुमार पटना पुलिस की गिरफ्त में

» Pg12

बोले पीएम मोदी- काशी हमार हौ, हम काशी के हईं

उत्तर प्रदेश बना सामर्थ्य-सिद्धियों की संकल्प भूमि

वाराणसी में 3900 करोड़ की विकास परियोजनाओं का किया उद्घाटन । काशी की कनेक्टिविटी पर 45 हजार करोड़ खर्च

बढ़ी विकास की रफ्तार

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया।

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी में 3900 करोड़ रुपये की 44 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि बीते 10 वर्षों में बनारस के विकास ने एक नई गति पकड़ी है। काशी ने आधुनिक समय को साधा है, विरासत को संजोया है और भविष्य को उज्ज्वल बनाने की दिशा में मजबूत कदम रखे हैं। आज काशी सिर्फ पुरातन नहीं, प्रगतिशील भी है। पीएम मोदी ने कहा- आज सामाजिक चेतना के प्रतीक महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती भी है। महात्मा ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले जी ने जीवन भर नारीशक्ति के हित, उनके आत्मविश्वास और समाज कल्याण के लिए काम किया। आज हम उनके विचारों को, उनके संकल्पों को, नारी सशक्तिकरण के उनके आंदोलन को आगे बढ़ा रहे हैं, नई उर्जा दे रहे हैं।

कुछ लोग सत्ता हथियाने में लगे रहते हैं। उनका सिद्धांत परिवार का साथ, परिवार का विकास है। हमारा मंत्र सबका साथ सबका विकास है। बीते दशक में वाराणसी और आसपास के क्षेत्रों की कनेक्टिविटी पर करीब 45 हजार करोड़ रुपये खर्च किए। ये पैसा सिर्फ कंक्रीट पर नहीं गया, ये विश्वास में बदला है। इस निवेश का लाभ आज पूरी काशी और आसपास के जिलों को मिल रहा है। भदोही, गाजीपुर और जौनपुर के रास्तों पर भी काम शुरू हुआ है। भिखारीपुर और मंडीवाड़ी पर भी फ्लाईओवर की मांग काफी समय से हो रही थी। ये होने जा रहा है। अब गाजीपुर, जौनपुर, मिर्जापुर, आजमगढ़ हर शहर में पहुंचने का रास्ता चौड़ा हो गया है। जहां पहले जाम था, आज वहां विकास की रफ्तार दौड़ रही है।

काशी के इंफ्रा पर हो रहे इस निवेश को आज भी स्टार दिया गया है। हजारों करो? के प्रोजैक्ट का आज शिलान्यास किया गया है। हमारा जो लाल बहादुर शास्त्री एयरपोर्ट है, उसके विस्तारीकरण का काम तेजी से चल रहा है। एयरपोर्ट बड़ा हो रहा है तो उसको जोड़ने वाली सुविधाओं का वभी विस्तार जरूरी था। अब एयपोर्ट के पास 6 लेन की अंडरग्राउंड टनल बनने जा रही है।

» विरोधियों पर बरसे प्रधानमंत्री कहा- सत्ता हथियाने के लिए खेलते हैं कुछ लोग।

अब तो काशी में सिटी रोपवे का ट्रायल भी शुरू हो गया है। बनारस दुनिया के चुनिंदा शहरों में होगा, जहां ऐसी सुविधा होगी। यहां विकास, इंफ्रास्ट्रक्चर का कोई भी काम होता है तो इसका पूरा लाभ पूर्वांचल के नौजवानों को मिलेगा। सारनाथ जाने के लिए शहर के अंदर जाने की जरूर नहीं होगी। अगले कुछ महीनों में जब ये सारे काम पूरे हो जाएंगे तो वाराणसी में आवाजाही और सुलभ होगी। रफ्तार भी बढ़ेगी और कारोबार भी बढ़ेगा। कमाई, दवाई के लिए आने वालों को भी बहुत सुविधा होगी।

काशी के युवाओं को स्पोर्ट्स में आगे बढ़ने के लगातार मौके मिलें। अब तो 2036 में ओलिंपिक भारत में हो इसके लिए हम लगे हुए हैं। लेकिन मेडल पाने के लिए आपको अभी से लगना होगा। नया स्पोर्ट्स कांप्लेक्टस खुल गया है। वाराणसी के सैकड़ों खिलाड़ी प्रशिक्षण ले रहे हैं। वाराणसी विकास और विरासत सबको साथ लेकर चल रहा है। इसका सबसे बड़ा मॉडल हमारा काशी बन रहा है। यहां गंगा का प्रवाह है तो भारत की चेतना का भी प्रवाह है।

काशी के हर मोहल्ले, गली में भारत का एक अलग रंग दिखता है। मुझे खुशी है कि काशी तमिल संगमम जैसे आयोजन से एकता का सूत्र मजबूत हो रहा है। अब यहां एकता मॉल भी बनने जा रहा है, यहां भारत की विविधता के दर्शन होंगे। भारत के अलग-अलग जिलों के उत्पाद यहां एक ही छत पर मिलेंगे। बीते वर्षों में यूपी में अपना आर्थिक नक्शा और नजरिया भी बदला है। यूपी अब सिर्फ संभावनाओं की धर्ती नहीं रहा, अब ये सामर्थ्य और संकल्प सिद्धियों की भूमि बन रहा है।

आज मेड इन इंडिया की गूंज है, ग्लोबल ब्रांड बन रहा है। यहां कई चीजों को जीआई टैग दिया गया है। ये बताता है कि ये चीज इसी मिट्टी की पैदाइश है। जहां जीआई टैग पहुंचता है वहां से बाजारों में बुलंदियों का रास्ता खुलता है। आज यूपी पूरे देश में जीआई टैगिंग में नंबर वन है। हमारी कला, हमारे हुनर की तेजी से अंतर्राष्ट्रीय पहचान बन रही है। अब तक वाराणसी का तबला, शहनाई, ठंडई, लाल पेड़ा, तिरंगा बर्फी हर चीज को पहचान का नया पासपोर्ट जीआई टैग मिला है।

उन्होंने आगे कहा कि कल हनुमान जन्मोत्सव का पावन दिन है और आज मुझे संकटमोचन महाराज की काशी में आपके दर्शन का सौभाग्य मिला है। हनुमान जन्मोत्सव से पहले काशी की जनता आज विकास का उत्सव मनाने यहां एकत्र हुई है।

मातृ शक्ति ने किया बारातशाला का उद्घाटन

विधायक अमिताभ बाजपेई की निधि से निर्मित हुई बारातशाला

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। आर्यनगर से लोकप्रिय विधायक अमिताभ बाजपेई की निधि से निर्मित हाफिज हलीम सामुदायिक बारातशाला चीना पार्क का सुंदरीकरण कार्य का लोकार्पण महिला शक्ति द्वारा किया गया। अमिताभ बाजपेई ने कहा कि गरीब कन्याओं के लिए निःशुल्क बारातशाला क्षेत्र की जनता की सेवा के लिए समर्पित किया गया है । बारात शाला का उदघाटन कन्या खुशनुमा के हाथों से फीता काट के करवाया गया। इस दौरान बड़ी संख्या स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

संभल सांसद जियाउर्रहमान मकनपुर पहुँचे

जिन्दाशाह की दरगाह पर हाजिरी दी, इसके बाद एक शादी समारोह में शामिल हुए

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर। गुरुवार शाम को संभल से सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क मकनपुर पहुँचे। जहाँ सपा के अल्पसंख्यक राष्ट्रीय सचिव शादान शिकोह जाफरी व जिलाध्यक्ष मुकीम खान समेत कई सपाइयों ने उनका स्वागत किया। सपाई सांसद को जिन्दाशाह मदार की दरगाह पर लेकर पहुँचे। जहां सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने हाजिरी दी। इसके बाद मकनपुर कस्बे में एक शादी समारोह में भी शामिल हुए। मकनपुर स्थित समाजवादी पार्टी के कार्यालय में संभल सांसद ने लोगों से मुलाकात की। सैय्यद शादन शिकोह जाफरी ने मदार साहब व अपने वालिद की जीवनी पर लिखी किताब भेंट की। इस दौरान सजर अली व कई सपाई मौजूद रहे।

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाईस्कूल (मां अन्नपूर्णा जनता इंटर कॉलेज कांधी कानपुर देहात यूपी बोर्ड) वर्ष 2022 अनुक्रमांक 1221182950 प्रमाण पत्र क्रमांक 39011758 वास्तव में कहीं खो गया है।

विशाल कुशवाहा
पुत्र अशोक कुमार कुशवाहा
पताः ग्राम बलहरामऊ,
पोस्ट नंदपुर,
जिला कानपुर देहात
उत्तर प्रदेश।

जुबानी जंग

कानपुर कांग्रेस कमेटी में अंर्तकलह जारी

पवन गुप्ता बोले, इसी रवैए से चुनाव हारे थे आलोक मिश्रा

अनूप अवस्थी, स्वराज इंडिया

कानपुर। उप्र में कांग्रेस पार्टी स्थानीय नेताओं की गुटबाजी और अंर्तकलह के चलते रसातल में जा चुकी है। कुछ दिनों पूर्व कानपुर महानगर में नगर अध्यक्ष के पद पर पवन गुप्ता को मनोनीत किया गया है। इसके बाद से कांग्रेस में चल रही गुटबाजी एक बार जुबानी जंग में तब्दील हो चुकी है। अहमदाबाद में आलोक मिश्रा के बयान के बाद महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता भी मैदान में आ गए हैं। उन्होने पलटवार करते हुए मीडिया से कहा है कि आलोक मिश्रा के अड़ियल और अंहकारी रवैऐ के कारण ही वह चुनाव हार गए थे।

» कांग्रेस के लोकसभा प्रत्याशी रहे आलोक मिश्रा एवं महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता के बीच जुबानी जंग तेज

» अहमदाबाद के राष्ट्रीय अधिवेशन में आलोक मिश्रा ने पवन गुप्ता के खिलाफ उगला था जहर

स्वराज इंडिया www.swarajindianews.com कानपुर सिटी कानपुर, शुक्रवार 11 अप्रैल, 2025 02

शहर कांग्रेस में कलहः आलोक मिश्रा ने महानगर अध्यक्ष के खिलाफ़ उगला जहर

» गुजरात में चल रहे कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन में आलोक मिश्रा ने कहा 'जिसका एक लड़का सपा में-दूसरा भाजपा में है, क्या वह शहर अध्यक्ष के लायक है?'

» गुटबाजी के चलते लगातार कांग्रेस की स्थिति हो रही खराब

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। महानगर कानपुर कांग्रेस के अंदर एक बार फिर से गुटबाजी चरम पर दिख रही है। पार्टी के गुजरात में चल रहे राष्ट्रीय अधिवेशन में शामिल होने कानपुर से गए कांग्रेस नेता आलोक मिश्र ने मंच से ऐसी बात कही, जिससे चल रही अंदरूनी कलह को सामने ला दिया. गुजरात में चल रहे कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन मे कांग्रेस नेता आलोक मिश्र ने सीधे तौर पर बिना नाम लिए महानगर कांग्रेस कमेटी के नव मनोनीत अध्यक्ष पवन गुप्ता को निशाने पर इलाके कई शब्दवार किए।

हालांकि, उन्होंने यहा पर किसी का नाम तो नही लिया लेकिन इतना जरूर कहा कि जिसका एक लड़का समाजवादी पार्टी में हो और दूसरा लड़का भाजपा में हो, क्या वह शख्स जिलाध्यक्ष के लायक है. आलोक मिश्र ने कहा कि अगर वह इस लायक है तो हम भी आपको स्वीकार करते है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी को संबोधित करते हुए आलोक मिश्र ने कहा कि 1982 से कांग्रेस में हैं. उन्होंने कहा कि हम लोग बीजेपी से बाद में लड़ते हैं लेकिन पहले आपस में ही लड़ते हैं. एक बार फैसला होना चाहिए कि जो ऊपर से तय हो जाएगा, वह सभी को स्वीकार होगा. उन्होंने कहा कि खड़गे जी और राहुल जी आप भाजपा को हटाना चाहते हैं, कांग्रेस के अंदर जो भाजपा के लोग है उन्हें हटाना चाहते है।

लेकिन जिसका एक लड़का सपा में और दूसरा लड़का भाजपा में हो, क्या वो शहर अध्यक्ष के लायक है. इस दौरान लोकसभा में खुद को मिले 4.22 लाख वोटों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि 1947 से आज तक कांग्रेस को लोकसभा चुनाव में कानपुर में इतना वोट नहीं मिला. इसके बाद बोले कि आपने शहर अध्यक्षों को जो सत्ता दी है, उसे स्वीकार करते हैं।

लेकिन इतना तय होना चाहिए कि जो शहर अध्यक्ष या जिलाध्यक्ष होगा, वह चुनाव के लिए आवेदन नही करेगा, केवल संगठन का काम करेगा. जिलाध्यक्ष खुद चुनाव का कैंडीडेट बन जाएगा तो संगठन कैसे चलेगा.

पवन गुप्ता शहर कांग्रेस अध्यक्ष

पूर्व सांसद प्रत्याशी आलोक मिश्रा

स्कूलों के आंदोलन से आलोक मिश्रा बौखलाए हैं: पवन गुप्ता

कानपुर में कांग्रेस काफी अरसे बाद निजी स्कूलों और स्टेशनरी दुकानदारों के बीच चल रही मिली भगत से अभिभावकों के साथ खड़ी दिखाई दी। कांग्रेस के मनोनीत अध्यक्ष पवन गुप्ता व ग्रामीण अध्यक्ष संदीप शुक्ला के नेतृत्व में डीएम कार्यालय में प्रदर्शन कर स्कूलों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की थी। इस पर डीएम ने कमेटी बनाकर ऐसे स्कूलों पर एक्शन लेने के निर्देश दिए है। पवन गुप्ता का आरोप है कि इसी के चलते आलोक मिश्रा ऐसी बातें कर रहे है क्योंकि वह खुद पब्लिक स्कूल चलाते है। मेरे बेटे साथ है वह कांग्रेस के लिए जुटे हुए है।

पवन गुप्ता का यह भी कहना है कि निजी स्कूलों द्वारा कॉपी-किताबों और ड्रेस आदि के नाम पर की जा रही लूट का कांग्रेस पार्टी ने पुरजोर विरोध किया। कांग्रेस की शिकायत के बाद मामले में डीएम कानपुर कार्रवाई कर रहे हैं। यह सब आलोक मिश्रा को रास नहीं आ रहा है क्यों कि उनके भी कई स्कूल संचालित हैं, ऐसे में वह अपनी भडास ऐसे निकाल रहे हैं।पवन गुप्ता ने आलोक मिश्र के बयान को लेकर दो टूक कहा कि राष्ट्रीय अधिवेशन में जो कुछ उन्होंने बोला है, वह उनकी राजनीतिक बौखलाहट और कुंठा को प्रदर्शित करता है. पवन गुप्ता ने कहा कि अगर कोई बात थी, तो उन्हें मुझे बताना चाहिए था, वह

खुद उन्हें पार्टी कार्यक्रमों में व्यक्तिगत रूप से उन्हें आमंत्रित करते हैं.हम लोगों के बीच किसी तरह का विवाद भी नहीं था. उन्होंने कहा कि कल जब उनका बयान सामने आया तो वह खुद आश्चर्य में पड़ गए।

उनके बयान को अनुशासनहीनता का मामला बताते हुए पवन गुप्ता ने कहा कि उन्होंने जो आरोप लगाए हैं, वह बेबुनियाद हैं, उनका मैं प्रमाण दे दूंगा. इसके साथ ही पवन गुप्ता ने कहा कि आलोक मिश्रा अपने इसी व्यवहार और रवैये के कारण लोकसभा चुनाव हार गए. कानपुर नगर लोकसभा सीट का चुनाव जीता हुआ था. खुद को सबसे ज्यादा मिले वोटों के आलोक मिश्रा के दावे पर

मेरे दोनों बेटे कांग्रेस को के लिए काम कर रहेः पवन गुप्ता

महा नगर अध्यक्ष पवन गुप्ता ने अपने बेटों को लेकर लगे आरोपों पर खुल कर सफाई दी. उन्होंने कहा कि उनका बड़ा बेटा सिद्धार्थ उत्तर प्रदेश कांग्रेस व्यापार प्रकोष्ठ का अध्यक्ष है. चार साल से वह सक्रिय है, इसके अलावा वह वैश्य महासंगठन की कमान भी संभाल रहा है, जिसके चलते हर दल के लोगों से उसकी मुलाकात होती रहती है. जब से वह महानगर अध्यक्ष बने हैं, उनका बड़ा बेटा कार्यालय आकर उनके सारे काम देख रहा है. दूसरे बेटे अभिमन्यु को लेकर कहा कि वह सपा में है और चुनाव भी लड़ चुका है लेकिन पिछले कुछ महीनों से वह सक्रिय नहीं है. दावा किया कि अभिमन्यु भी उनके साथ है और उनका काम देख रहा है. हालांकि पवन गुप्ता ने पार्टी में किसी तरह की अंतरकलह से भी इनकार किया.

पवन गुप्ता ने कहा कि 2022 के विधानसभा चुनावों में सपा और कांग्रेस को जितने वोट मिले थे, वहीं वोट लोकसभा में भी आलोक मिश्र को मिले. उन्होंने पार्टी के लिए एक वोट भी नहीं बढ़ाया. अगर ऐसा होता तो कम से कम दो लाख वोट और मिलना चाहिए, जबकि अकबरपुर, फतेहपुर और उन्नाव लोकसभा की सीटों पर गठबंधन के जो प्रत्याशी चुनाव लड़ें, उन्हें आलोक मिश्र से ज्यादा वोट मिले. ऐसे में उनका यह दावा भी गलत है।

केडीए अफसरों की सरपरस्ती से दीपू चौहान फूड कोर्ट का अवैध निर्माण जारी

» जिला पंचायत के नक्शे से हो रहे निर्माण में केडीए नहीं कर पा रहा है कार्रवाई

» अफसर कर रहे बहानेबाजी, तेजी से अवैध निर्माण का कार्य हो रहा पूरा

» अवैध निर्माण के बदले लाखों रूपए की डील की आशंका

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। अवैध और अनाधिकृत निर्माणों को लेकर उप्र की योगी सरकार सख्ती बरत रही है लेकिन अधिकारियों की मिलीभगत से सरकार की मंशा पर पानी फिर रहा है। कानपुर शहर में मानकों को ताकपर रखकर दनादन अवैध निर्माण कराए जा रहे हैं।

इससे शहर की यातायात व्यवस्था के साथ साथ भविष्य में अन्य हादसों को लेकर खतरा बनता जा रहा है। केडीए में तैनात कई अधिकारी प्रवर्तन के नाम पर मुंह तो बनाते हैं लेकिन उसके बिना गुजारा नहीं होता है। कई निर्माणों में अफसरों एवं इंजीनियरों की मिलीभगत से बडे भ्रष्टाचार की आशंका है।

केडीए वीसी मदन सिंह गर्ब्यालय ने बीते दिनों अवैध और अनाधिकृत निर्माणों पर सख्ती करके शमन शुल्क वसूली के निर्देश दिए लेकिन उनका असर प्रवर्तन में नहीं दिख रहा है।

कागजी कार्रवाई का खेल चल रहा है। जोन-2 में भौंती हाइवे के पास पिछले छह माह से बिना नक्शे के नियम कायदे ताकपर रखकर दीपू चौहान फूड का निर्माण किया जा रहा है।

परिसर से ही हाईटेंशन लाइन गुजरी हुई है। वहीं जब कार्रवाई के बावत जिम्मेदार अधिकारियों से पूछा जाता है तो फाइल की कार्रवाई के लिए प्रवर्तन अनुभाग में भेज दी गई है लेकिन ऐसा लगता है।

अवैध निर्माण को बचाने के लिए कार्रवाई के नाम पर मीठी गोली दी जा है।

वहीं, इस संबंध में ओएसडी डा0 रवि प्रताप सिंह से पूछा गया तो उन्होने बताया कि शमन की नोटिस दे दी गई है।

जब कि मौके पर दनादन स्लैब डाली जा रही है और फिनिशिंग का कार्य चल रहा है।

ऐसे में सवाल उठता है कि केडीए के अधिकारी कार्रवाई के बजाय मामले को टरकाना चाहते हैं। वहीं, इसी तरह से कई इलाकों में निर्माण चल रहे हैं।

दीपू चौहान के फूड कोर्ट के अंदर नया अवैध निर्माण भी जोरों से चल रहा है

शहर में अवैध निर्माण पर नियंत्रण नही

शहरों में जाम और अतिक्रमण के पीछे सबसे बडा कारण अवैध निर्माण हैं। बिना पार्किंग और अन्य सुविधाओं के आवासीय एवं गालियों में शोरूम धडाधड बनाए जा रहे हैं और कई नक्शों में पार्किंग दी गई वहां पर भी दुकानें खोल दी गई हैं। कई जगह खोलने की तैयारी की जा रही हैं। इसके लिए केडीए और नगर निगम के अधिकारियों की जिम्मेवारी है लेकिन कोई झंझट नहीं लेना चाहते हैं। अपनी जेब भरे बाकी कोई मतलब नहीं है।

बीमारी से हारे वृद्ध ने फांसी लगा दी जान, न्यूरो की समस्या से थे पीड़ित

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। न्यूरो की समस्या से पीड़ित स्वदेशी मिल से सेवानिवृत्त वृद्ध ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मामा को कमरे में न पाकर भांजा छत पर गया तो फंदे से शव लटका देखा। भोर पहर अचानक चीख-पुकार मचने पर पड़ोसी पहुंचे और घटना की सूचना गुजैनी पुलिस को दी गई।

तात्याटोपे नगर निवासी 67 वर्षीय धीरेंद्रनाथ अवस्थी स्वदेशी मिल से सेवानिवृत्त थे। बेटे आदित्य और अंश ने बताया कि बीते डेढ़ साल से पिता न्यूरो की समस्या से पीड़ित थे। जिसका इलाज चल रहा था। बीती 12 मार्च को घबराहट होने पर उन्होंने ओवरडोज दवा खा ली थी। हालत बिगड़ने पर पांच दिन आईसीयू में भर्ती कराया गया।

अस्पताल से लौटने के बाद उनकी तबियत लगातार बिगड़ती जा रही थी। बुधवार शाम को भी दिक्कत होने की बात कही थी। इसके बाद देर रात कमरे से निकले गए। भांजे सक्षम ने बताया कि मामा को भोरपहर चार बजे कमरे में न पाकर उन्हें घर में देखने के बाद जब छत पर गए तो दुपट्टे से शव लटका देखा और घटना की जानकारी गुजैनी पुलिस को दी।

पति से झगड़कर की आत्महत्या

जूही बंबुरहिया निवासी 40 वर्षीय सीमा ने पति राजेंद्र से विवाद के बाद फांसी लगाकर जान दे दी। मोहल्ले में ही रहने वाली सीमा की बड़ी बहन निरुपा ने बताया कि राजेंद्र और सीमा दोनों ने दूसरी शादी की थी। राजेंद्र मजदूरी करता है, जबकि सीमा बैग कारखाना में सिलाई करती थी। बुधवार रात दोनों में खाने को लेकर विवाद हुआ था।

उसके बाद सीमा ने पति से खाना खाने के लिए कहा तो उसने नहीं खाया। इसके बाद दोनों अलग-अलग कमरों में सो गए। देर रात सीमा के दरवाजा न खोलने पर राजेंद्र को संदेह हुआ तो उसने दरवाजा तोड़ा। अंदर सीमा फंदे से लटकी मिली। उसे उतारकर हैलट ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

सम्पादकीय

टैरिफ घटे तो लाखों उत्पादकों पर मार

दुनिया को नये टैरिफ युद्ध में धकेलने वाले ट्रंप प्रशासन के दबाव की आंच हिमाचल के सेब उत्पादकों तक भी पहुंच रही है। भारत पर सेब आदि उत्पादों पर अमेरिकी टैरिफ घटाने के दबाव ने हिमाचल के सेब उत्पादकों के माथे पर चिंता की लकीरें उकेर दी हैं। वे केंद्र सरकार से गुहार लगा रहे हैं कि किसी भी कीमत पर अमेरिकी सेब पर टैरिफ कम न किया जाए, अन्यथा लाखों उत्पादकों की रोजी-रोटी खतरे में पड़ जाएगी। वे तब से फिक्रमंद हैं जब वर्ष 2023 में आयात शुल्क सत्तर फीसदी से घटाकर पचास फीसदी कर दिया गया था। उनको फिक्र है कि यदि फिर टैरिफ में कमी की गई तो भारतीय बाजार अमेरिका के उच्च गुणवत्ता वाले सस्ते सेब से पट जाएगा। जिससे घरेलू सेब उत्पादकों को भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। आंकड़े इस गंभीर स्थिति को बयां करते हैं कि वर्ष 2018 में जब टैरिफ बढ़ाए गए तो वर्ष 2022-23 तक अमेरिकी सेब का आयात 1.28 लाख मीट्रिक टन से घटकर सिर्फ 4,486 मीट्रिक टन रह गया था। मौद्रिक संदर्भ में देखें तो यह 145 मिलियन डॉलर से घटकर मात्र 5.27 मिलियन डॉलर रह गया था। सेब उत्पादक इस बात को लेकर चिंतित है कि जब वर्ष 2023 में टैरिफ को फिर से वापस पचास फीसदी पर लाया गया तो आयात में करीब 20 गुना वृद्धि हो गई थी। ऐसे में यदि किसी भी तरह की कमी फिर आयात शुल्क में की जाएगी तो भारतीय बाजार वाशिंगटन सेब से पट जाएंगे। फिर भारतीय प्रीमियम सेब से बहुत कम कीमत पर मिलने के कारण गुणवत्ता का विदेशी सेब उपभोक्ताओं की प्राथमिकता बन जाएगा। खासकर संपन्न तबके की पहली पसंद बन जाएगा। इस चिंता ने घरेलू सेब उत्पादकों की नींद उड़ा दी है। उन्हें डर कि पौष्टिकता व रस की गुणवत्ता में भारतीय सामान्य सेब अमेरिकी सेब का मुकाबला नहीं कर पायेगा। लोगो में आम धारणा रहती है कि विदेशी सेब ज्यादा अच्छा होगा।बहरहाल, अमेरिकी सेब पर टैरिफ घटाने की आशंका से सात लाख सेब उत्पादकों की आजीविका पर खतरा मंडराने लगा है। इसकी वजह यह भी कि अमेरिकी व्यापार वार्ता में कृषि टैरिफ घटाना मुख्य मुद्दा है। हालांकि, भारत जो उच्च आयात शुल्क लगाता है वह सोयाबीन पर 45 फीसदी, मक्का पर 50 फीसदी और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों पर 150 फीसदी है। अमेरिकी मांग है कि उसके कृषि निर्यात के लिये अवरोध कम किए जाएं। लेकिन निर्विवाद रूप से व्यापार एकतरफा नहीं हो सकता। अगर भारत को रियायतें देनी ही हैं तो उसे अपने उत्पादों और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के लिये पारस्परिक बाजारों में पहुंच सुनिश्चित करनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि भारतीय सेब उत्पादक पहले ही सस्ते ईरानी आयातों से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना कर रहे हैं। ईरानी सेब भारतीय बाजार में पचास-साठ रुपये कम कीमत पर उपलब्ध है, जिसकी वजह से गैर-प्रीमियम गुणवत्ता वाले सेबों का लाभकारी मूल्य मिलना बेहद मुश्किल है। स्थानीय सेब उस दर पर आयातित सेबों के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकते, क्योंकि राज्य में उत्पादन व परिवहन लागत ज्यादा है। यही असंतुलन भारत में सेब उद्योग को अनियमित आयातों के प्रति अत्यधिक संवेदनशील बनाता है। भारतीय उत्पादकों के लिये सुरक्षात्मक उपाय किए बिना किसी भी तरह की टैरिफ कटौती पहले से ही संकट में पड़े फल उद्योग को पंगु बना देगी। वहीं दूसरी ओर 'वोकल फॉर लोकल' को एक नारे से अधिक व्यवहार में लाना है तो भारत को आंख मूंदकर आयात शुल्क कम करने का प्रयास नहीं करना चाहिए।

बढ़ती उम्र थामने के लिए विज्ञान की पहल

मुकुल ब्यास

अध्ययन का एक दूसरा लक्ष्य उम्र से संबंधित बीमारियों से मुक्त जीवन की अवधि को बढ़ाने के लिए रणनीतियों की खोज करना भी है। भविष्य की दवाओं और उपचारों के विकास के लिए इस शोध के महत्वपूर्ण निहितार्थ हैं। दीर्घावधि में यह बुढ़ापा रोधी रणनीतियों का मार्ग प्रशस्त कर सकता है जिनका उद्देश्य टेलोमियर की रक्षा करने के लिए कोशिकाओं को सक्रिय करना और जीवन काल को बढ़ाना है।

दुनिया के वैज्ञानिक पिछले कुछ सालों से कोशिका के स्तर पर मानव जीवन काल बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। वे यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि कौन से कारक आयु-वृद्धि को बढ़ावा देते हैं। वे यह भी जानने का प्रयास कर रहे हैं कि क्या उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को पलटा जा सकता है।

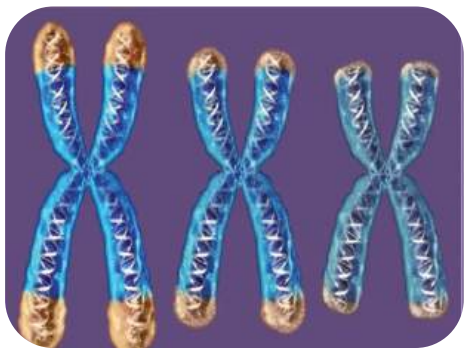

उनकी रिसर्च का मुख्य फोकस टेलोमियर पर है क्योंकि उसके छोटा होने पर बुढ़ापा आता है। आखिर टेलोमियर क्या होते हैं? टेलोमियर दरअसल कोशिका के नाभिक में स्थित गुणसूत्रों (क्रोमोसोम) के सिरों पर एक सुरक्षात्मक संरचना है जो जूते के फीते की नोक की तरह काम करती है। टेलोमियर कोशिकाओं के डीएनए को सुरक्षित रखने और कोशिकाओं की वृद्धि और विभाजन को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। समय के साथ टेलोमियर छोटे होते जाते हैं। इसकी वजह से कोशिकाएं स्वस्थ विकास के लिए विभाजित होने की अपनी क्षमता खो देती हैं और कुछ अंततः मरने लगती हैं। मनुष्यों में कोशिका के स्तर पर टेलोमियर का अध्ययन हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है। अब वाशिंगटन स्टेट यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने बुढ़ापा-रोधी शोध को आगे बढ़ाने के लिए मानव जैसे छोटे टेलोमियर वाले चूहे विकसित किए हैं। मानव जैसे छोटे टेलोमियर मानव शरीर और अंगों में आयु वृद्धि के अध्ययन को आसान बनाते हैं। आम तौर पर चूहों में टेलोमियर मनुष्यों की तुलना में 10 गुना लंबे होते हैं। इस अध्ययन के मुख्य शोधकर्ता जिएयू जू ने कहा कि यह वास्तव में मानवकृत टेलोमियर वाला पहला माउस मॉडल है क्योंकि इस मॉडल में टेलोमियर वयस्क ऊतकों में व्यक्त नहीं होता है। जू ने कहा कि अब हमारा लक्ष्य यह देखना है कि चूहों में उम्र कैसे बढ़ती है। आनुवंशिक रूप से संशोधित चूहे जू की टीम को कई शोध परियोजनाओं को आगे बढ़ाने में सक्षम बना रहे हैं।दरअसल, रिसर्च के मुख्य क्षेत्रों में यह अध्ययन करना शामिल है कि कैसे छोटे टेलोमियर कैंसर के विकास की संभावना को कम करते हैं और मानव जीवनकाल को प्रभावित करते हैं। अध्ययन का एक दूसरा लक्ष्य उम्र से संबंधित बीमारियों से मुक्त जीवन की अवधि को बढ़ाने के लिए रणनीतियों की खोज करना भी है। भविष्य की दवाओं और उपचारों के विकास के लिए इस शोध के महत्वपूर्ण निहितार्थ हैं। दीर्घावधि में यह बुढ़ापा रोधी रणनीतियों का मार्ग प्रशस्त कर सकता है जिनका उद्देश्य टेलोमियर की रक्षा करने के लिए कोशिकाओं को सक्रिय करना और जीवन काल को बढ़ाना है।कई बीमारियां कोशिका के स्तर पर उत्पन्न होती हैं, इसलिए दवाओं को लक्षित करना एक सामान्य रणनीति है। शोधकर्ता यह अध्ययन भी कर रहे हैं कि नींद मानव स्वास्थ्य को कैसे प्रभावित करती है। संशोधित चूहों का उपयोग यह देखने के लिए किया जाएगा कि नींद की कमी और जीवन के अन्य तनावों का टेलोमियर विनियमन और उम्र वृद्धि पर क्या प्रभाव पड़ता है। इन विशेष चूहों का विकास 10 साल पहले शुरू हुआ था। टेलोमियर उम्र वृद्धि को कैसे नियंत्रित करते हैं, पहले इसका अध्ययन पेट्री दूध में अलग-अलग मानव कोशिकाओं का उपयोग करके किया जाता था। नए माउस मॉडल की खासियत यह है कि इससे पूरे जीव में उम्र बढ़ने की प्रक्रिया का निरीक्षण किया जा सकता है। शोधकर्ताओं को उम्मीद है कि आयु-वृद्धि, मानव दीर्घायु और कैंसर पर अध्ययन को आगे बढ़ाने के लिए संशोधित चूहों को अन्य शोध टीमों के साथ साझा किया जाएगा। नया माउस मॉडल दुनिया भर के विज्ञानियों को इन प्रक्रियाओं का पता लगाने के लिए एक मूल्यवान उपकरण प्रदान कर सकता है।एक दिलचस्प बात यह है कि कुछ जीवों ने अस्थायी रूप से उम्र वृद्धि की प्रक्रिया को उलटने का तरीका खोज लिया है।

सरकारी जवाबदेही व सामाजिक जागरूकता जरूरी

प्लास्टिक कचरा

पंकज चतुर्वेदी

प्लास्टिक कचरा आज पर्यावरणीय संकट का एक बड़ा कारण बन चुका है, जो हमारे जल, वायु और भूमि को प्रभावित कर रहा है। सरकार ने इस पर नियंत्रण के लिए कुछ कानूनी कदम उठाए हैं, लेकिन सामाजिक जागरूकता और उत्तरदायित्व की पहल अभी भी जरूरी है। पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के स्थानीय निकायों से ठोस कूड़े के निष्पादन में कोताही पर सवाल उठाया है, जबकि यह समस्या पूरे देश में फैली हुई है। हर दिन छोटे गांवों से लेकर महानगरों तक ठोस कूड़े का पहाड़ बढ़ रहा है, जो धरती, पानी और हवा को प्रदूषित करता है।

कूड़े का एक बड़ा हिस्सा प्लास्टिक का है, जो अब हमारे तंत्र और स्वास्थ्य के लिए गंभीर संकट बन चुका है। यह वैश्विक स्तर पर एक बड़ी चुनौती बन गई है। यह प्लास्टिक अति सूक्ष्म रूप में हमारे समूचे तंत्र की रक्त शिराओं से लेकर सांस तक के लिए संकट बन चुकी है।विशाखापत्तनम से बस्तर जाने वाले रास्ते पर स्थित कोरापुट एक छोटा-सा कस्बा है, जो चारों ओर पहाड़ों और हरियाली से घिरा हुआ है। लेकिन जैसे ही शहर की सीमा समाप्त होती है, ऊंचाई के घाट पर प्लास्टिक की पन्नियां, पानी की बोतलें और नमकीन-चिप्स के पैकेजिंग उड़ते हुए दिखाई देते हैं। बरसात के दौरान ये कूड़ा धीरे-धीरे जमीन और खेतों में समाहित हो जाता है, जिससे पर्यावरण और इंसान की जीवनरेखा पर नकारात्मक असर पड़ता है।कोरापुट तो सिर्फ एक उदाहरण है, शहरी, कस्बे और गांवों के नाम बदलते रहें, लेकिन सड़कों के किनारे नैसर्गिक हरियाली और पहाड़ अब धीरे-धीरे प्लास्टिक कचरे से ढकते

जा रहे हैं। दिल्ली में सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप कुछ समाधान ला सकता है, लेकिन मोदीनगर या पलवल जैसे स्थानों पर कोई प्रभावी तंत्र नहीं है, जो इस समस्या की गंभीरता को समझे और उस पर कार्रवाई करे।वर्ष 2014 में शुरू हुआ स्वच्छता अभियान शौचालय और कचरे के प्रति आम लोगों को जागरूक करने में सफल रहा, लेकिन आंकड़ों पर गौर करें तो यह स्पष्ट होता है कि कचरे का उत्पादन तो कम हुआ नहीं, बल्कि उसका निपटान भी प्रभावी तरीके से नहीं हो पा रहा है। हमने कोई ऐसा ठोस कदम या विधान विकसित नहीं किया है, जिससे कचरा कम हो और उसका नियमित, कारगर निपटान हो। जनवरी, 2019 में केंद्र सरकार ने 'सिंगल-यूज़ प्लास्टिक' पर प्रतिबंध लगा दिया था, लेकिन हाल ही में संसद में पेश किए गए आंकड़े भयावह हैं। देश में हर साल 41.36 लाख टन प्लास्टिक कचरा उत्पन्न हो रहा है और तमिलनाडु सबसे अधिक प्लास्टिक कचरा उत्पन्न करने वाला राज्य है।तमिलनाडु प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़े बताते हैं कि राज्य में प्लास्टिक कचरे की पुनर्चक्रण क्षमता 11.5 लाख टन प्रति वर्ष है, लेकिन इसका केवल 33 प्रतिशत ही वास्तविक रूप से उपयोग हो सका। इसका मतलब है कि अधिकांश कचरा यूं ही पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने में समाहित हो गया। दिल्ली में इस दौरान 4.03 लाख टन प्लास्टिक कचरा पैदा हुआ, जबकि तेलंगाना दूसरे स्थान पर रहा, जहां 5.28 लाख टन प्लास्टिक कचरा उत्पन्न हुआ। यह स्थिति तब है जब राज्य सरकार ने प्लास्टिक कचरे पर पाबंदी लगा रखी है, लेकिन आंकड़े यह दर्शाते हैं कि यह पाबंदी केवल कागजों तक सीमित है और वास्तविकता में कुछ भी प्रभावी कदम नहीं उठाए गए।

संसद में यह भी बताया गया कि देशभर में प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन इकाइयों (पीडब्ल्यूएमयू) की संख्या केवल 978 है। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के दूसरे चरण में यह प्रावधान है कि प्रत्येक ब्लॉक में पीडब्ल्यूएमयू स्थापित किए जाएं, और इसके लिए केंद्र सरकार 16 लाख रुपये की राशि मुहैया कराएगी। हालांकि, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के तहत कचरे के संग्रहण और परिवहन के लिए स्थानीय निकायों और ग्राम पंचायतों को जिम्मेदारी दी गई है, लेकिन इनके पास न तो पर्याप्त कर्मचारी हैं और न ही बजट। परिणामस्वरूप हो सकता है।

गुलकंद खाओ, कब्ज भगाओ!

अगर आप भी कब्ज की समस्या से परेशान हैं, तो इसकी वजह से पेट में भारीपन, डकार और ब्लोटिंग की शिकायत रहती है। तो आप इस समस्या से बचने के लिए अपनी डाइट में गुलकंद शामिल कर सकते हैं।

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में खुद की सेहत का ख्याल रखना काफी मुश्किल हो गया है। वहीं गलत खानपान और खराब लाइफस्टाइल की वजह से कब्ज की समस्या होना बेहद आम है। लेकिन अगर कब्ज की समस्या लंबे समय तक बनी रहती है, तो यह मुश्किल पैदा कर सकती है। अगर आप भी कब्ज की समस्या से परेशान हैं, तो इसकी वजह से पेट में भारीपन, डकार और ब्लोटिंग की शिकायत रहती है। तो आप इस समस्या से बचने के लिए अपनी डाइट में गुलकंद शामिल कर सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि इसको आप डाइट में कैसे शामिल कर सकते हैं।

कब्ज में फायदेमंद गुलकंद

बता दें कि गुलकंद एक आयुर्वेदिक सुपरफूड है, जोकि हमारे पाचन तंत्र को दुरुस्त रखने का काम करता है और कब्ज से भी राहत दिलाता है। गुलकंद में प्राकृतिक रूप से फाइबर पाया जाता है, जोकि आंतों की सफाई में सहायता करता है। यह स्टूल को सॉफ्ट बनाने के साथ उसको आसानी से पास करने में भी सहायता करता है।

गुलकंद की तासीर ठंडी होती है और यह आंतों में जलन को भी कम करता है। यह गैस और एसिडिट की समस्या से भी राहत दिला सकता है।

यह आंतों में गुड बैक्टीकिया को बढ़ाता है, जिससे डाइजेस्टिव हेल्थ बेहतर होता है। वहीं गुलकंद हानिकारक बैक्टीरिया को रोकता है और पेट संबंधी समस्याओं को कम करता है। वहीं जिन लोगों को डायबिटीज की समस्या रहती है, उनको गुलकंद का सेवन करने से बचना चाहिए।

कैसे खाएं गुलकंद

आप रात में एक चम्मच गुलकंद का गुनगुने दूध के साथ सेवन करें। इससे कब्ज की समस्या से राहत मिलने लगेगी।

वहीं अगर आप दूध नहीं पीते हैं तो एक चम्मच गुलकंद को गुनगुने पानी में मिलाकर रात में सोने से पहले पी सकते हैं।

डिस्क्लेमर- इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

मृणाल का मास्क, चमके स्किन-बाल!

हेयर और स्किन को स्वस्थ रखना चाहते हैं, तो आप मृणाल ठाकुर का फेवरेट मास्क को जरुर ट्राई करें। यह मास्क आपकी स्किन और हेयर को भी हेल्दी रखेगा। बादाम तेल में कई पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो स्किन और हेल्दी को बेहतर बनाता है।

मृणाल ठाकुर अपनी दमदार एक्टिंग के लिए जानी जाती है। एक्ट्रेस की कई सारी फिल्में हिट भी हुई। एक इंटरव्यू में मृणाल ने अपने खूबसूरत बालों और स्किन का सीक्रेट शेयर किया था। जिसमें उन्होंने बताया कि मात्र एक चीज की मदद से कैसे उन्हें महंगे प्रोडक्ट्स की जरुरत नहीं पड़ती है और बालों के साथ ही स्किन भी चमकदार बना सकते हैं। यदि आप भी चाहती हैं आपके बाल घने और मजबूत रहें इसके साथ ही स्किन भी हेल्दी और शाइन करें, तो इस मास्क को जरुर लगाएं।स्किन और हेयर्स के लिए यूज करें बादाम का तेल रोजाना बादाम का तेल प्रयोग करें इससे आपकी स्किन और बाल हेल्दी रहेंगे। बता दें कि, बादाम के तेल में विटामिन ई के साथ ही ओमेगा 3 फैटी एसिड होते हैं। जो आपकी स्किन में हाइड्रेशन को बरकरार रखता है। बादाम के तेल में मौजूद लिनोलिक एसिड स्किन बैरियर को बढ़ाता है और हाइड्रेट रखता है। वहीं, हेयर्स पर बादाम का तेल लगाने से बाल मजबूत बनते हैं।

क्योंकि इसमें बायोटीन पाया जाता है, जो कि हेयर फॉल को रोकता है। बादाम तेल से बनाएं मास्क

बादाम तेल का मास्क बनाने के लिए आपको बादाम तेल और एलोवेरा जेल चाहिए। इसे बनाने के लिए किसी मिट्टी के बर्तन में बादाम का तेल लें और उसमें थोड़ा सा एलोवेरा जेल मिलाकर मिक्स कर लें। इस क्रीमी पेस्ट को बालों की जड़ों पर लगाएं और इसे आधे से एक घंटे के लिए छोड़ दें। फिर बालों में शैंपू कर लें। सप्ताह में दो से तीन बार इस हेयर मास्क को जरुर लगाएं। आपको कुछ समय में ही असर दिखेंगा।

चेहरे पर लगाएं बादाम का तेल

रात को सोने से पहले रोजाना चेहरे को फेसवॉश करने के बाद बादाम के तेल की कुछ बूंदों को लेकर चेहरे पर लगाएं। रोजाना इस रुटीन को फॉलो करें इससे आफकी स्किन ग्लोइंग और यूथफुल नजर आएगी।

आधार सही या? तुरंत करें जांच!

आधार कार्ड आज के समय में हर नागरिक की पहचान का सबसे जरूरी दस्तावेज बन चुका है। यह 12 अंकों की एक यूनिक पहचान संख्या है जो भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (UIDAI) द्वारा जारी की जाती है। किसी भी सरकारी या निजी काम में, जैसे बैंक खाता खोलना, स्कूल/कॉलेज में एडमिशन लेना, यात्रा करना, मोबाइल सिम लेना या सब्सिडी का लाभ लेना–हर जगह आधार कार्ड की आवश्यकता होती है।

आइए जानते हैं कि आप कैसे यह पता लगा सकते हैं और यदि कोई संदिग्ध गतिविधि नजर आए तो क्या कदम उठाने चाहिए। कैसे पता लगाएं कि आपका आधार गलत इस्तेमाल हो रहा है? आधार हिस्ट्री चेक करने का प्रोसेस 1. सबसे पहले https://myaadhaar.uidai.go1.in वेबसाइट पर जाएं। 2. OTP के माध्यम से लॉग इन करें। 3. आधार नंबर और कैप्चा कोड डालकर सब्मिट करें।

4. लॉग इन करने के बाद "Authentication History" ऑप्शन को चुनें। 5. वह टाइम पीरियड चुनें जिसे आप जांचना चाहते हैं। 6. सभी गतिविधियों की लिस्ट आ जाएगी, जहां से आप देख सकते हैं कि आपका आधार कहां और कैसे

इस्तेमाल हुआ।

आधार बायोमेट्रिक्स को करें लॉक

UIDAI ने यूजर्स को यह सुविधा दी है कि वे अपने बायोमेट्रिक डिटेल्स (फिंगरप्रिंट, आईरिस स्कैन) को लॉक कर सकते हैं ताकि बिना उनकी अनुमति के उनका दुरुपयोग न हो सके। अगर आपने बायोमेट्रिक्स को लॉक किया हुआ है तो कोई भी व्यक्ति आपके आधार से जुड़ी बायोमेट्रिक जानकारी का उपयोग नहीं कर पाएगा। आधार कार्ड की अहमियत जितनी बड़ी है, उसका गलत इस्तेमाल उतना ही खतरनाक हो सकता है। इसलिए हर आधारधारी को चाहिए कि वह समय-समय पर अपने आधार की गतिविधियों पर नजर रखे, संदिग्ध गतिविधियों की रिपोर्ट करे और अपने बायोमेट्रिक्स को सुरक्षित रखे।

किसी भी सरकारी या निजी काम में, जैसे बैंक खाता खोलना, स्कूल/कॉलेज में एडमिशन लेना, यात्रा करना, मोबाइल सिम लेना या सब्सिडी का लाभ लेना–हर जगह आधार कार्ड की आवश्यकता होती है। लेकिन क्या आपको मालूम है कि इसका गलत इस्तेमाल आपके लिए वित्तीय नुकसान और धोखाधड़ी का कारण बन सकता है? इसलिए यह बहुत जरूरी हो जाता है कि आप समय-समय पर जांच करते रहें कि कहीं आपके आधार कार्ड का दुरुपयोग तो नहीं हो रहा है। आइए जानते हैं कि आप कैसे यह पता लगा सकते हैं और यदि कोई संदिग्ध गतिविधि नजर आए तो क्या कदम उठाने चाहिए।

कैसे पता लगाएं कि आपका आधार गलत इस्तेमाल हो रहा है?

आधार हिस्ट्री चेक करने का प्रोसेस- 1. सबसे पहले https://myaadhaar.uidai.gov.in वेबसाइट पर जाएं। 2. OTP के माध्यम से लॉग इन करें। 3. आधार नंबर और कैप्चा कोड डालकर सब्मिट करें। 4. लॉग इन करने के बाद "Authentication History" ऑप्शन को चुनें। 5. वह टाइम पीरियड चुनें जिसे आप जांचना चाहते हैं। 6. सभी गतिविधियों की लिस्ट आ जाएगी, जहां से आप देख सकते हैं कि आपका आधार कहां और कैसे इस्तेमाल हुआ।

एनजीओ की आड़ में चल रहा था मानव तस्करी का कारोबार

शिवांक अग्निहोत्री स्वराज इंडिया

गायत्री सर्व समाज फाऊंडेशन की आड़ में हो रही थी मानव तस्करी, खुला खेल तो मचा हड़कंप

आरोपी गायत्री विश्वकर्मा

आरोपी हनुमान गुर्जर

कानपुर । भारत, जहाँ विविधता और संस्कृति की समृद्ध विरासत है, वही यहां मानव तस्करी जैसा जघन्य अपराध चुपचाप अपनी जड़ें गहराई तक फैला रहा है। यह अपराध न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि मानवता के खिलाफ भी एक गंभीर कुकृत्य है। मानव तस्करी आज भारत के भीतर एक फलता-फूलता काला बाज़ार बन चुकी है, जिसका शिकार सबसे अधिक महिलाएँ, बच्चे और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के लोग होते हैं। सबसे ज़्यादा यह अनैतिक कारोबार यौन शोषण के लिए किया जाता है और देश के कई हिस्सों में लड़कियों और महिलाओं को झूठे वादों के ज़रिए बड़े शहरों में लाकर जबरन वेश्यावृत्ति में धकेल दिया जाता है। उसके बाद यह कारोबार बंधुआ मजदूरी और बाल तस्करी के रूप में किया जाता है जिसमें गरीब परिवारों के सदस्य, खासकर बच्चे, कर्ज़ या लालच के कारण ईंट भट्टों, कारखानों और खेतों में बंधुआ मजदूर बन जाते हैं और बच्चों को घरेलू नौकर, भिक्षावृत्ति, बाल विवाह और यौन शोषण के लिए बेचा जाता है। पूर्व में प्रकाशित हुई कुछ रिपोर्टर्स बताती हैं की मौजूदा वक्त में मानव तस्करी सबसे ज्यादा आंतरिक अंगों की बिक्री हेतु की जा रही है। उक्त खबर में मानव तस्करी करने के लिए एक नई तकनीक ईजाद की गई थी जिसमें राजस्थान जयपुर की एक महिला द्वारा एनजीओ बनाकर शादी कराने के नाम पर अन्य राज्यों से बहला फुसलाकर या अपहरण के जरिए लाई गईं बच्चियों को बेच दिया जाता था। महिला के अपराधिक तार कानपुर तक जुड़े हैं इसलिए कानपुर की भी एक बच्ची के साथ ऐसा ही कृत्य हुआ लेकिन सूझबूझ और मजबूत दिमाग से उसे बच्ची ने ना कि खुद को बचाया बल्कि मानव तस्करी के इस गोरख धंधे का खुलासा भी करवा दिया।

कानपुर के मानव तस्करों के हाथ लगी 16 वर्षीय नाबालिक

आवास विकास हंसपुरम निवासी 16 वर्षीय नाबालिक बच्ची अपने पिता की शराब की लत से तंग आकर काम धंधे की तलाश में सौरभ और सुमन नाम के दो व्यक्तियों के संपर्क में आती है जो कि मानव तस्करी का गैंग चलाते हैं। दोनों आपराधिक तत्व पहले ही अपने मंसूबे तय कर लेते हैं और उसी के अनुरूप वह इस 16 वर्षीय बच्ची से घनिष्ठ बढ़ा लेते हैं। बीते मार्च में सौरभ के द्वारा बच्ची को शॉपिंग कराने का लालच देकर कहीं ले जाया गया और वहीं उसे किसी खाद्य सामग्री में नशीला पदार्थ मिलाकर दे दिया गया। बच्ची के अनुसार जब उसकी आंख खुलीं तो वह कानपुर से कई सौ किलोमीटर दूर जयपुर के एक फार्म हाउस में मौजूद थी जिस फार्म हाउस में तमाम लड़कियां महिनों से मानव तस्करों की प्रताड़ना झेल रही थीं जो सुजानपुरा इलाके में स्थित था।

डेढ़ लाख और ढाई लाख रुपए में लगाई गई बच्ची की बोली

कानपुर के सौरभ और सुमन नामक मानव तस्करों ने राजस्थान की मानव तस्कर गायत्री विश्वकर्मा को मात्र डेढ़ लाख रुपए में बेच दिया था जबकि गायत्री विश्वकर्मा के द्वारा बच्ची को प्रताड़ित करके जबरन शादी कराकर ढाई लाख रुपए में बेचा गया। बच्ची को खरीदने वाले परिवार ने कुछ ही हफ्तों में बदहाल अवस्था में पुनः बच्ची को गायत्री विश्वकर्मा को सौंप दिया।

बीते 6 अप्रैल को पुनः बच्ची की बोली लगती है? इस बार बच्ची को फिर से ढाई लाख रुपए में नारंग नाम का युवक खरीद कर ले जाता है और एक ढाबे पर खाना खाने के लिए रुकता है इसी दौरान बच्ची अपनी सूझबूझ का प्रयोग करते हुए मौके से गायब हो जाती है। इस घिनौने व्यापार में गायत्री विश्वकर्मा के साथ हनुमान नाम का युवक भी शामिल था जो बच्चियों के लिए ग्राहक लाने और गायत्री विश्वकर्मा की कार चलाने का कार्य करता था।

बच्ची के द्वारा ही किया गया मानव तस्करों का भंडाफोड़

नारंग के पास से गायब होकर बच्ची पुनः सुजानपुरा कस्बे में पहुंचती है और मानव तस्करों के फार्म हाउस के पास में ही स्थित बलराम गौशाला में जाकर इलाके में चल रहे इस अवैध कारोबार की पूरी जानकारी वहां पर मौजूद लोगों को बताती है।

लोगों की मदद से वह कानपुर अपने परिवार से संपर्क साधती है। इधर जब परिवार के माध्यम से यह पूरी जानकारी नौबस्ता थाने की पुलिस को दी जाती है तो कानपुर से पुलिस की एक टीम जयपुर के लिए रवाना हो जाती है और मौके पर पहुंचकर गुमशुदा हुई बच्ची और उसके साथ-साथ फार्म हाउस में जितनी भी बच्चियों कैद होती हैं उनको मानव तस्करों से मुक्त कराती है साथ ही अपराधियों की गिरफ्तारी करके कानपुर लाती है।

इस पूरे अवैध कारोबार की सूत्रधार गायत्री विश्वकर्मा नाम की महिला थी जिसमें उसका एक साथी हनुमान सहयोगी के तौर पर उसका साथ देता था। इस पूरे अवैध व्यापार की प्रक्रिया एक एनजीओ के अंतर्गत की जाती थी जिसे गायत्री विश्वकर्मा ने अपने नाम पर गायत्री सर्व समाज फाउंडेशन के तौर पर बना रखा था।

उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड आदि के मानव तस्कर गायत्री विश्वकर्मा के संपर्क में रहते थे जो अपने-अपने राज्यों से बहला फुसलाकर या अपहरण करके बच्चियों को लाकर उसे बेच दिया करते थे और फिर गायत्री खरीद दाम से अधिक दाम लगाकर उन बच्चियों को भारत या भारत के बाहर बेच दिया करती थी। गायत्री अपने एनजीओ का फेसबुक और टेली कॉलिंग के जरिए प्रचार करवाती थी और खरीदी हुई बच्चियों के फर्जी दस्तावेज़ और आधार कार्ड आदि बनवाकर शादी करवाने के नाम पर उन्हें बेचती थी।

स्वराज इंडिया बहुत जल्द करेगा कानपुर के मानव तस्करों का खुलासा

उक्त प्रकरण के संज्ञान में आने के बाद फिलहाल तो कानपुर पुलिस सौरभ और सुमन नाम के युवकों को ही मानव तस्करों के तौर पर जान पाई है पर सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कानपुर के अंदर भी एक महिला मानव तस्करी के घिनौने कारोबार में लिप्त है जिसकी तलाश में स्वराज इंडिया की टीम लगातार ग्राउंड जीरो पर उतरकर पड़ताल कर रही है बहुत जल्द स्वराज इंडिया दैनिक अखबार के माध्यम से कानपुर के मानव तस्करों के गैंग का खुलासा कर दिया जाएगा।

सीडीओ के निर्देशों का मलासा ब्लाक में नहीं हो पा रहा पालन

» मलासा में फिर से फीड होने लगे अन्य ब्लॉको के बिल, बड़े वित्तीय अनियमितता की आशंका

» सूत्रों से मिली जानकारी दो फर्मों में कई सचिवों ने किया है करोड़ों का भुगतान

» पंचायत सचिवालयों से भुगतान न होकर प्राइवेट दुकानों से फीड किए जा रहे हैं बिल ओर हो रहे

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जिला प्रशासन केद्य लाखों प्रयास के बाद ओर अधिकारियों की लापरवाही व मनमानी के कारण विकास कार्यों की स्थलीय एवं अभिलेखीय निरीक्षण नहीं किए जाने से जिले में भ्रष्टाचार चरम पर बोल रहा है। पंचायतो में कागजों पर विकास की योजनाएं संचालित की जा रही हैं।जबकि हकीकत योजनाएं धरातल पर दम तोड़ रही है। हालत यह है कि ग्राम पंचायत में विकास कार्यों के लिए आने वाली धनराशि निकालने के लिए सचिव सारे नियम कायदे हवा में उड़ा रहे हैं। इसके चलते मलासा विकासखंड के कई ग्राम पंचायतों में अन्य विकासखंड के बिल फिर से फीड किए जा रहे हैं। प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार भ्रष्टाचार पर लगाम करने के लिए जीरो टॉरलेंस की नीति चला रही है। सरकार लगातार जिले के अफसरों को जीरो टॉरलेंस की नीति पर काम करने के निर्देश जारी कर रही है। लेकिन कानपुर देहात जनपद में डीएम आलोक कुमार सिंह ओर सीडीओ लक्ष्मी नागप्पन के कड़े निर्देश हवा में उड़ रहे हैं। इससे सरकारी धनराशि के दुरुपयोग का

मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है। इसके चलते मलासा विकासखंड की ग्राम पंचायत में कराए जाने वाले विकास कार्यों में ई ग्राम स्वराज पर अन्य विकासखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत के बिल फिर से फीड किए जा रहे हैं। मलासा विकास खंड की एक ग्राम पंचायत में ग्राम पंचायत की धनराशि निकासी के लिए सचिव ने बड़ा खेल कर दिया। जहां विकास कार्यों के नाम पर कई व्यक्तिगत नामो के वाउचर बनाकर फीड किए गए। वहीं कई फर्मों पर भी धनराशि का भुगतान हुआ। लेकिन अफसर इससे बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितता की आशंका जताई जा रही है। लेकिन पंचायत विभाग के जिम्मेदार अधिकारी ऐसे लोगों पर कार्रवाई करने से कतरा रहे हैं। इससे जिले में भ्रष्टाचार थमने का नाम नहीं ले रहा है।

घरेलू कलह से तंग आकर विवाहिता ने लगाई फांसी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। थाना भोगनीपुर क्षेत्र के दुर्गादासपुर गांव में देर शाम घरेलू कलह के कारण विवाहिता ने घर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है । दुर्गादास पुर निवासी वासी रामकेश के लड़के शिवम की शादी 5 वर्ष पूर्व हराहरारा गांव में गोल्डी के साथ हुई थी आज दोपहर बाद शिवम और रामकेश घर का काम निपटाकर खेतों में गए हुए थे तभी मौका पाकर शिवम की पत्नी गोल्डी 25 वर्ष ने घर के अंदर रस्सी से रोशनदान के में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली जब लोगों ने देखा तो पुलिस को सूचना दी गोल्डी के 3 वर्ष की पुत्री भी है लोगों ने देखा तब पुलिस को सूचना दी पुखरायां चौकी इंचार्ज व कोतवाल अं जन सिंह तथा क्षेत्राधिकारी मौके पर पहुंचे और शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है हराहरा गांव से गोल्डी के मायके वाले पहुंचे और उन्होंने हत्या का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है क्षेत्राधिकारी संजय सिंह ने बताया कि शव का पंचनामाभरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक:** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | प्रधान संपादक रतन प्रकाश सिंह (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

गोविंद नगर में आयोजित की गई बीजेपी की चौपाल

वार्ड 93 के पार्षद नवीन पंडित ने आयोजित करवाया कार्यक्रम

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर । गोविंद नगर वार्ड 93 में भाजपा पार्षद दल के नेता नवीन पंडित के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी ने चौपाल का आयोजन किया गया ।

स्वच्छता अभियान भी चलाया और लोगों से जनसंपर्क भी किया साथ ही साथ बूथ अध्यक्ष का सम्मान किया गया। कार्यक्रम प्रात: 10-30 बजे प्रारंभ हुआ जिला अध्यक्ष शिवराम सिंह पार्षद दल के नेता नवीन पंडित, मंडल अध्यक्ष दीपू पासवान, बाल गोविंद अवस्थी वार्ड अध्यक्ष अवध बिहारी अवस्थी वर्षा रावत वंदना गुप्ता अनीता दीक्षित सिमरन कौर गुरविंदर सिंह गप्पी राजेंद्र सिंह जिंदी सतनाम सिंह टोनी हरप्रीत सिंह स्वीटी राजेश मोगा नवीन तुलसनी विजय सिंह टिंकू ठाकुर रोहित शुक्ला अरविंद दुग्गल ओमप्रकाश तेजवानी सहित बूथ अध्यक्ष का कार्यकर्ताओं का सम्मान हुआ। 3 घंटे अपने प्रवास में रहे संसद रमेश अवस्थी माता बहनों से मिलकर सफाई कर्मचारियों का सम्मान कर चौपाल में जनता को सरकार की उपलब्धियां को बताकर और साथ स्वच्छता अभियान चलाकर मोदी जी के संदेश को जन-जन मैं पहुंचने का कार्य किया।

एसपी दिनेश कुमार सिंह ने रिजर्व पुलिस लाइन्स में देखे इंतजाम

समस्त पुलिसकर्मियों को शारीरिक व मानसिक रुप से फिट रहने हेतु दौड़ कराई गई

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बाराबंकी। पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन्स स्थित परेड ग्राउण्ड में शुक्रवार की परेड की सलामी ली गई,तत्पश्चात परेड में उपस्थित समस्त पुलिसकर्मियों को शारीरिक व मानसिक रुप से फिट रहने हेतु दौड़ कराई गयी व पुलिसकर्मियों का टर्न आउट चेक करते हुए अनुशासन व एकरूपता बनाए रखने हेतु ड्रिल की कार्यवाही कराई गयी।

यू0पी0 112 पीआरवी वाहनों का निरीक्षण कर सम्बन्धित को मानकों के अनुसार समस्त आवश्यक उपकरणों को अपने पास रखने व रिस्पांस टाइम को और बेहतर करने एवं आने वाली समस्याओं के सम्बन्ध में वार्ता कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। पुलिस अधीक्षक द्वारा परेड के पश्चात पुलिस लाइन्स परिसर, बैरक, व्यायामशाला, सीपीसी कैण्टीन, शस्त्रागार, परिवहन शाखा, आवासीय परिसर एवं पुलिस लाइन भोजनालय में भोजन की गुणवत्ता व साफ सफाई आदि का निरीक्षण कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गये। आदेश कक्ष में विभिन्न रजिस्टरों एवं अभिलेखों को चेक कर अद्यावधिक रखने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। इस दौरान क्षेत्राधिकारी लाइन सौरभ श्रीवास्तव, प्रतिसार निरीक्षक राजेश कुमार, अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

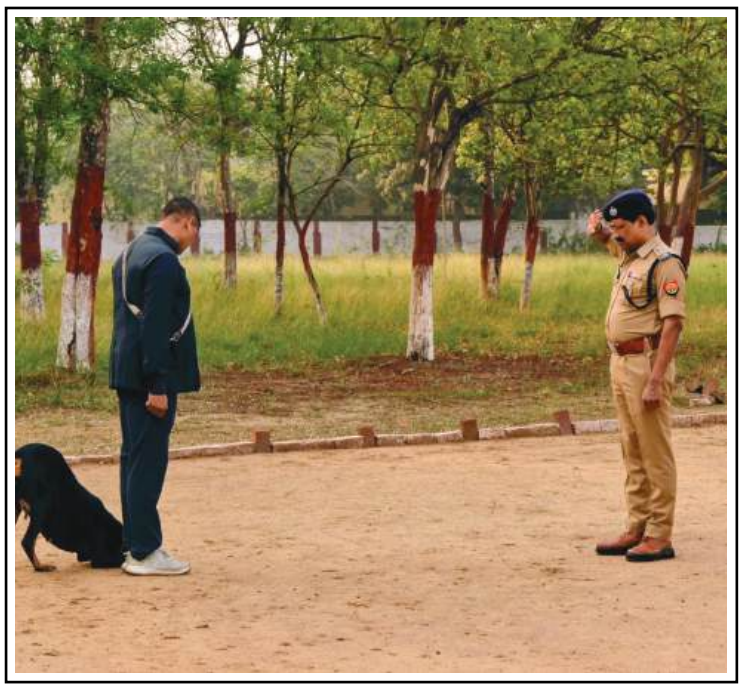

संदिग्ध परिस्थितियों मिली लाश, जांच में जुटी पुलिस

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

जैदपुर (बाराबंकी)। एक नशे के आदी व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। लोधपुरवा निवासी 50 वर्षीय मोल्हे का शव शुक्रवार सुबह बड़ी बाजार स्थित फील्ड के पीछे मिला।मृतक बुधवार को साइकिल लेकर घर से निकला था। वह दो दिन से लापता था। बृहस्पतिवार को क्षेत्र में तेज आंधी–तूफान और बारिश हुई। शुक्रवार सुबह खेत जा रहे लोगों ने खजूर के पेड़ के पास शव को देखा। सूचना मिलने पर स्थानीय लोग मौके पर एकत्र हो गएथाना प्रभारी संतोष सिंह ने बताया कि मृतक नशे का आदी था। वह बाजार थाना चौराहे के पास रहता था। वहां लोगों से पैसे मांगकर मार्फीन का सेवन करता था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मौत के कारणों की जांच जारी है।

कृषि मंत्री डा. सूर्य प्रताप शाही पहुंचे बाराबंकी

» रामनगर स्थित कृषि फार्म का औचक निरीक्षण किया

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

रामनगर(बाराबंकी)। प्रदेश के कृषि मंत्री डा. सूर्य प्रताप शाही ने रामनगर स्थित कृषि फार्म का औचक निरीक्षण किया इस दौरान फसलों की कम उत्पादन बुवाई कटाई में देरी व फार्म पर निर्माण कार्य को लेकर मंत्री ने नाराजगी जताई। और व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए । मंत्री श्री शाही ने संबंधित अधिकारियों से बिंदुवार जानकारी ली इस दौरान तमाम अधिकारी संतोष जनक उत्तर नहीं दे सके जबकि मौके पर मौजूद जे डी ए ए के मिश्रा ने संतोष जनक उत्तर दिया।जिस पर मंत्री ने कहा उन्होंने भी 30 साल तक खेती की है कोई हवा में उड़कर नही आए हैं उन्हें सब जानकारी है। करीब 2ः15 बजे रामनगर सहादतगंज मार्ग पर स्थित कृषि फार्म पर पहुंचे मंत्री ने गाड़ी में ही बैठकर फसलों का निरीक्षण किया इसके बाद उन्होंने बैठकर अधिकारियों से बिंदुवार जानकारी ली अरहर की क्राफ कटिंग व बुवाई की तिथि पूछी संबंधित

कर्मचारियों ने बताया कि दस दिन बाद बुवाई हुई है। जिस पर मंत्री ने नाराजगी जताई गेंहू की फसल को लेकर मंत्री ने पूछा 187, 303 क्यो नही बोते हो बुवाई के साथ ही नोटिस बोर्ड खेत में क्यों नहीं लगाया जाता ।

कृषि यंत्रों के बारे में पूछे जाने पर अधिकारियों ने बताया एक पुराना ट्रैक्टर ही है जिस समय पर जुताई, बुवाई नहीं हो पाती। लेजर लेवलर नहीं है मंत्री ने अभी तक ट्रैक्टर न खरीदे जाने का कारण पूछा। कृषि फार्म पर चल रहा निर्माण कार्य अभी तक पूर्ण न होने पर मंत्री ने नाराजगी जताई। अधिकारियों ने बताया ट्रेनिंग हाल गार्ड रूम पंप हाउस आदि काम चल रहे हैं । अभी तक एक करोड़ 91 लाख की धनराशि ही मिल पाई है जबकि चार करोड़ से अधिक धनराशि स्वीकृत हुई थी।

इसे गंभीरता से लेते हुए मंत्री श्री शाही ने फोन पर संबंधित अधिकारी से बात कर धनराशि उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिए।

ढैचा बीज उपलब्ध न होने पर मंत्री ने नाराजगी जताई और मौके पर मौजूद अधिकारियों से कहा फील्ड में नहीं जाओगे तो कुछ नहीं हो पाएगा ऑफिस में बैठकर काम नहीं चलेगा हर दस दिन में सभी कर्षि फार्मो पर जाकर निरीक्षण करें। कृषि मंत्री के निरीक्षण के दौरान एसडीएम पवन कुमार मृदा एवं सर्वेक्षण कार्यालय लखनऊ अनिल सागर डीडी अंबेडकर नगर अश्वनी कुमार सिंह जिला कृषि अधिकारी राजित राम वर्मा जिला कृषि रक्षक विजय कुमार अपर जिला कृषि अधिकारी प्रीतम सिंह सीओ गरिमा पंत, ए डी ओ ए जी डॉ दलबीर सिंह फार्म इंचार्ज जितेंद्र कुमार चौरसिया सहित भारी संख्या में पुलिस व अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

यूपी में वज्रपात और आंधी-तूफान ने मचाया हाहाकार, 22 लोगों की मौत

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में गुरुवार को आकाशीय बिजली और आंधी-तूफान ने बड़ा नुकसान पहुंचाया है।राहत आयुक्त कार्यालय की ओर से जारी की गई जानकारी के मुताबिक यूपी के विभिन्न जिलों में आकाशीय बिजली और आंधी-तूफान से 22 लोगों की मौत हो गई है। इसके साथ ही बड़ी संख्या में मवेशियों की भी मौत हुई है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस बड़े नुकसान के बाद मृतकों के परिजनों के लिए मुआवजे का ऐलान किया है।

यूपी के राहत आयुक्त कार्यालय द्वारा उपलब्ध कराए गए विवरण के अनुसार प्रदेश में 22 जनहानि, 45 पशुहानि और 15 मकान क्षति की घटनाएं हुई हैं।

22 लोगों की मौत का जिलेवार आंकड़ा इस प्रकार

मवेशियों और घरों को भी नुकसान

आंधी–तूफान और आकाशीय बिजली से गाजीपुर में 17, चन्दौली में 6,बलिया में 5,अम्बेडकरनगर,बलरामपुर में 3,गोंडा में 3,सुल्तानपुर में 2,अमेठी में 1,कन्नौज में 1,गोरखपुर में 1, फतेहपुर में अग्निकांड में 3 पशुहानि हुई है। इसके अलावा आंधी–तूफान और आकाशीय बिजली से गाजीपुर,सुल्तानपुर और लखीमपुर खीरी में 2–2,बलिया,गोंडा,बाराबंकी,

अम्बेडकरनगर,गोरखपुर,औरैया,हरदोई,लखनऊ और मऊ में 1–1 मकान क्षति हुई है।

सीएम ने अधिकारियों को दिए निर्देश

सीएम योगी ने प्रभावित जिलों के अधिकारियों को पूरी तैयारी के साथ राहत अभियान चलाने का निर्देश दिया है। सीएम ने जिलाधिकारियों को प्रभावित इलाकों का दौरा करने, राहत प्रयासों की कड़ी निगरानी करने और प्रतिकूल मौसम से प्रभावित लोगों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

सीएम ने यह भी निर्देश दिया कि फसलों को हुए नुकसान का विस्तृत आकलन किया जाए और राज्य सरकार को इसकी रिपोर्ट तुरंत सौंपी जाए। इससे प्रशासन को उचित कार्रवाई करने और प्रभावित किसानों के लिए सहायता उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

सीएम ने किया मुआवजे का ऐलान

देखें जिलेवार लिस्ट

आकाशीय बिजली से मौत

फतेहपुर– तीन, आजमगढ़–तीन, फिरोजाबाद– दो, कानपुर देहात– दो, सीतापुर– दो, गाजीपुर– एक, गोण्डा–एक, अमेठी– एक, संतकबीरनगर–एक, सिद्धार्थनगर–एक

आँधी-तूफान से मौत

बलिया– एक, कन्नौज–एक,बाराबंकी– एक, बाराबंकी–एक, जौनपुर– एक की मौत हुई है।

सीएम योगी ने प्रदेश में आंधी–तूफान और आकाशीय बिजली से हुई जनहानि पर गहरा शोक व्यक्त किया है। सीएम ने दिवंगत व्यक्तियों के परिजनों को 4 लाख रुपये की राहत राशि तत्काल वितरित किए जाने के निर्देश दिए हैं।

सीएम ने शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। सीएम ने इस प्राकृतिक आपदा में घायलों का समुचित उपचार कराने के निर्देश दिए हैं।सीएम ने पशुहानि पर प्रभावितों को अनुमन्य सहायता दिए जाने के निर्देश भी दिए हैं। बता दें कि बड़े दुधारू पशुहानि में 37,500 रुपये, छोटे दुधारू आदि पशु की हानि में 4,000 रुपये, बड़े गैर–दुधारू पशुहानि में 32,000 रुपये और छोटे गैर–दुधारू पशुहानि में 20,000 रुपये मुआवजा राशि दिए जाने का प्रावधान है।

रामनगरी हुई शर्मसार: गेस्ट हाउस में हो रही थी घिनौनी हरकत

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। धार्मिक नगरी अयोध्या जहां भक्त श्रद्धा से रामलला के दर्शन को आते हैं, वहीं एक गेस्ट हाउस में महिला श्रद्धालुओं की गोपनीयता से खिलवाड़ करने का शर्मनाक मामला सामने आया है। राम जन्मभूमि के वीआईपी दर्शन मार्ग गेट नंबर 3 के पास स्थित एक गेस्ट हाउस में रुकी महिलाओं ने आरोप लगाया है कि वहां कार्यरत युवक ने बाथरूम में चोरी-छिपे वीडियो बनाए। शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।शहर के हृदय स्थल, राम जन्मभूमि के समीप स्थित एक गेस्ट हाउस में यह घटना सामने आई है, जो श्रद्धा की नगरी को शर्मसार करने वाली है। सुबह लगभग 6 बजे जब महिला श्रद्धालु स्नान कर रही थीं, तभी उन्हें महसूस हुआ कि बाथरूम के आसपास किसी की मौजूदगी है। शक गहराते ही महिला ने शोर मचाया और अन्य श्रद्धालु भी मौके पर पहुंच गए।

» बाथरूम में स्नान कर रही महिला श्रद्धालुओं के वीडियो बनाता पकड़ा गया युवक

» मोबाइल से मिलीं कई आपत्तिजनक क्लिप्स

महिलाओं की शिकायत पर पुलिस तत्काल गेस्ट हाउस पहुंची और वहां कार्यरत सौरभ नामक युवक को हिरासत में ले लिया। सौरभ बहराइच जिले का रहने वाला है और लंबे समय से अयोध्या के इस गेस्ट हाउस में कार्यरत है।

सूत्रों के अनुसार, पुलिस ने जब सौरभ का मोबाइल फोन खंगाला तो उसमें कई आपत्तिजनक फोटो और वीडियो मिले। इनमें से कुछ क्लिप्स कथित रूप से गेस्ट हाउस के बाथरूम में रिकॉर्ड की गई थीं।

रामजन्मभूमि थाना के एसएचओ अभिमन्यु शुक्ला का कहना है कि प्रारंभिक पूछताछ में सौरभ ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं, उसके मोबाइल में 10 वीडियो मिले है। जिन्हें लेकर पुलिस साइबर विशेषज्ञों की मदद से जांच को आगे बढ़ा रही है।

घटना के बाद श्रद्धालुओं में रोष

इस घटना के बाद श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों में जबरदस्त आक्रोश देखने को मिल रहा है। रामनगरी जैसे धार्मिक स्थल पर इस तरह की घटनाएं न केवल सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाती हैं, बल्कि अयोध्या की छवि को भी धूमिल करती हैं।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है और गेस्ट हाउस के प्रबंधक से भी पूछताछ की जा रही है। प्रशासन की ओर से यह भी कहा गया है कि सभी गेस्ट हाउस की सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी प्रणाली की समीक्षा की जाएगी ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोहराई न जा सकें।

मौलाना कल्बे जव्वाद की अगुवाई में हुआ विरोध

वक्फ बिल और सऊदी के खिलाफ को लेकर प्रदर्शन

» स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। जुमे की नमाज के बाद बड़ा इमामबाड़ा स्थित आसिफी मस्जिद में वक्फ बिल और सऊदी अरब की हुकूमत के खिलाफ प्रदर्शन शुरू हो गया है। इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व शिया धर्म गुरु मौलाना कल्बे जव्वाद कर रहे हैं। इस दौरान भारी संख्या में लोग पहुंचे।

मजलिसे उलेमा ए हिंद की ओर से राजधानी में प्रदर्शन के लिए आवाहन किया गया था। जुम्मे की नमाज के बाद भारी संख्या में लोग इकट्ठा हुए और प्रदर्शन किया। इस दौरान मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। डीसीपी पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया कि प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा के बेहतर इंतेजाम किए गए है। जुम्मे की नमाज से पहले ही मौके पर भारी संख्या में फोर्स को तैनात किया गया। सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए मौके पर एक कंपनी पीएसी और एसएसबी समेत 200 से ज्यादा पुलिस कर्मचारियों को तैनात किया गया। पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था के बीच वक्फ विधेयक के खिलाफ शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन किया गया।

जहां एक ओर मजलिसे उलेमा-ए-हिंद और मुस्लिम धर्मगुरु कल्वे जव्वाद देश में लागू किए गए वक्फ संसोधन विधेयक के विरोध में प्रदर्शन कर रहे हैं, तो वहीं दूसरी ओर सऊदी अरब में पैगंबर मोहम्मद साहब की बेटी और चार इमाम की मजार को ध्वस्त करने के मामले में भी मुसलिम समुदाय में नाराजगी है।

शांति से अदा हुई जुमे की नमाज

राज्यसभा और लोकसभा में वक्फ संशोधन बिल पास होने के बाद सियासत में उथल-पुथल जारी है। विपक्षी दलों के साथ ही मुस्लिम धर्मगुरु और मौलाना केंद्र सरकार का लगातार विरोध कर रहे हैं। उधर, बिल पास होने बाद प्रदेश में अलर्ट जारी है। हेरिटेज जोन की टीले वाली मस्जिद के अलावा बड़ा इमामाबाड़ा, ऐशबाग ईदगाह, नक्खास बिल्लौचपुरा, मदेयगंज मसालची टोला, बुलाकी अड्डा स्थित मस्जिद समेत 61 संवेदनशील इलाकों में पुलिस आलाधिकारियों ने विशेष सतर्कता बरती गई।

कन्हैया कुमार पटना पुलिस की गिरफ्त में

मुख्यमंत्री को घेरने आए कई कांग्रेसी हिरासत में लिए गए

» पटना, एजेंसी।

बिहार के सियासी गलियारी में आज काफी गहमागहमी है। राहुल गांधी के पटना से जाने के दो दिन बाद कांग्रेस राजधानी में बड़ा प्रदर्शन शुरू हुआ। कन्हैया कुमार सदाकत आश्रम से पलायन रोको नौकरी दो यात्रा में निकले, लेकिन उनके वहां से निकलते ही पुलिस ने उनको राजापुल के पास ही रोक दिया। कन्हैया कुमार आज सदाकत आश्रम से निकलने के बाद अपनी यात्रा के दौरान सीएम हाउस तक जाने वाले थे, लेकिन इससे पहले ही पुलिस ने उनको रोक दिया। यात्रा में शामिल लोगों पर वाटर केनन भी चलाया गया। इस दौरान अन्य कार्यकर्ताओं के साथ-साथ कन्हैया कुमार को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

अब सत्याग्रह और संघर्ष का रूप ले रही यह यात्रा

इधर, प्रदर्शन से पहले कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने कहा कि बिहार की जनता बेराजगारी और गरीबी से त्रस्त है। मजबूरी में उन्हें पलायन करना पड़ रहा है। कांग्रेस ने 16 मार्च को पश्चिम चंपारण के भितिहरवा गांधी आश्रम से पदायात्रा की शुरुआत की थी। यह यात्रा बिहार के नौजवानों और बेरोजगारों के लिए निकाली गई थी। इसमें लाखों लोग जुड़ गए। यह यात्रा अब सत्याग्रह और संघर्ष का रूप ले रही है। लोगों में आक्रोश है। उनके अंदर मौजूदा सरकार के खिलाफ निराशा है।

दरअसल, कन्हैया कुमार पटना में प्रदर्शन के जरिए आज अपनी पलायन रोको, नौकरी दो यात्रा का समापन करने जा रहे हैं। कांग्रेस का दावा है कि आज के प्रदर्शन में पांच हजार से ज्यादा नेता और कार्यकर्ताओं शामिल होंगे।

वाजपेयी कचौड़ी भंडार पर जीएसटी का छापा

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के हजरतगंज स्थित बाजपेयी कचौड़ी भंडार में शुक्रवार को जीएसटी की टीम की छापेमारी से हड़कंप मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार जीएसटी अधिकारियों ने हिसाब-किताब में गड़बड़ी और टैक्स चोरी पर यह ऐक्शन लिया है। इस दौरान सुरक्षाकर्मी भी बाहर मौजूद रहे।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार जीएसटी टीम शुक्रवार को साढ़े 12 बजे के करीब पहुंची और बाजपेयी कचौड़ी के मालिक से पूछताछ शुरू कर दिया। दुकान की मशीन और रजिस्टर जब्त किए गए हैं। वित्तीय दस्तावेजों की समीक्षा के बाद एक डिटेल रिपोर्ट तैयार की जाएगी और टैक्स चोरी का हिसाब लिया जाएगा।

हजरतगंज स्थित फेमस दुकान में रोजाना के लेन-देन, बिक्री और टैक्स चोरी के दस्तावेज की जांच शुरू की। रजिस्टर और बिल में मिलान में खामियां मिलीं। इसके बाद अधिकारी दुकान में ही बैठकर हिसाब मिलाने लगे। जानकारी के अनुसार यहां टैक्स का भुगतान लेनदेन से कम दिखाया गया है।